

ा असाचारल EXTRAORDINARY

भाग II—काण्ड 3—उप-काण्ड (i) PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 385] नई विल्ली, बुधवार, सितम्बर 28, 1983/अर्थियम् 6, 1905 NO. 385] NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPT. 28, 1983/ASVINA 6, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वो जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के इस्य में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be flied as a separate compilation

वित मंत्रालय

(राजस्व विमाग)

अधिस्चना

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 1983

सं॰ 275/83-सीमाशुस्क

सा०का०नि० 755(अ).——केन्द्रीय मरकार, सीमाणुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त एक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मत्नालय, राजस्य विभाग की अधिसूचना

सं० 150/81-सीभाशुत्क, तारीख 25 मई, 1981 का निम्निखित और संशो-धन करती है, अर्थात :--

उक्त अधिसूचना के परन्तुक में--

- (i) मर्त (ग) के स्थान पर निम्नलिखित धर्न रखी जाएगी, अर्थात् :---"(ग) इस प्रकार विनिर्मित वस्तुओं का स्वयं उपयोग करेगा या इस प्रकार विनिर्मित वस्तुओं का विकय औद्योगिक एककों को उनके उपयोग के लिए करेगा और ऐसे औद्योगिक एककों को विकय की गई ऐसी वस्तुओं के लिए वैंकों के माध्यम से संदाय प्राप्त करेगा;";
- (ii) भर्त (घ) का लोप किया जाएगा;
- (iii) मर्त (ङ) को मर्त (घ) के रूप में पुनःसंख्यांकित किया जाएगा।

[फा०सं० 370/23/82-सी०णु०] एन० ग्रागीधरन, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th September, 1983

NO. 275|83-CUSTOMS

G.S.R. 755(E).—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue, No. 150|81-Customs, dated the 25th May, 1981 namely:—

In the proviso to the said notification,—

- (i) for condition (c), the following condition shall be substituted, namely:—
 - "(c) utilise the articles so manufactured himself, or sell the articles so manufactured to industrial units for

their use and receive payments through banks for such articles sold to such Industral units;";

- (ii) condition (d) shall be omitted;
- (iii) condition (e) be renumbered as condition (d).

[F. No. 370|23|82-Cus. I] N. SASIDHARAN, Under Secy.

| | | | \$ |
|--|--|---|-----------|
| | | | Ý |
| | | | 4 |
| | | , | Ŧ |